।। जागो योगी जागो ।।

सम्पूर्णता तुम्हारा आह्वान कर रही है....

तुम्हें तुम्हारे विश्व कल्याण के महत्वपूर्ण कर्त्तव्य पुकार रहे हैं.....

दु:खी, अशान्त आत्मायें तुम्हारे से शान्ति की भीख मांग रही हैं.....

रोगी, भोगी आत्मायें तुम्हारी योग शक्ति का आह्वान कर रही हैं.....

अपवित्र आत्मायें तुम्हारे से परम पवित्र वायब्रेशनों का इंतजार कर रही हैं.....

बापदादा वतन में बाहें पसारे तुम्हारी कितने लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे हैं.....

भटकती, तड़फती आत्मायें तुम्हारे से मुक्ति, जीवनमुक्ति की आस लगाए बैठी हैं.....

प्रकृति के पाँचों तत्व पावन बनने के लिए तुम मास्टर प्रकृतिपति की राह देख रहे हैं.....

माया तुम्हें नमस्कार करने को, तुम्हारे से विदाई लेने के लिए बार-बार अनुरोध कर रही है.....

भक्त आत्मायें तुम ईष्टदेव से अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने का निवेदन कर रही हैं.....

अनाथ, निर्बल, बेघर आत्मायें चिल्ला-चिल्लाकर तुम्हारे से सुख, शान्ति की अंचली मांग रही हैं.....

जागो योगी ! धर्म के ठेकेदार थककर अध्यात्म की यथार्थता का ठिकाना ढूंढ रही हैं.....

कष्टकारी वेदनाओं से कराह रही दु:खी आत्मायें दु:ख से मुक्त होने को तुम्हारी ओर देख रही हैं.....

चिन्ता की चिता में चिन्तित आत्मायें अपने चित्त को शांत करने के लिए शान्ति मांग रही है.....

विकारों की अग्नि में जल रही आत्मायें शीतलता का अनुभव करने को आतुर हो रही है.....

दु:खदायी व्याधियों से ग्रसित आत्मायें तुम्हारे से शफा (राहत) मांग रही हैं.....

जागो योगी जागो ! तुम्हारी जागती ज्योति से अंधेरे में डूबा जग प्रकाशमान हो जाएगा .....

तुम्हारी परमात्म याद की शक्ति से इस रौरव नरकावासी आत्माओं का उद्धार हो जाएगा.....

तुम्हारे एक-एक शुद्ध, पवित्र संकल्प से संसार का कायाकल्प हो जाएगा.....

तुम्हारी पवित्र दृष्टि से संसार की आत्मायें निहाल हो जाएंगी, खुशहाल हो जाएंगी.....

तुम्हारे अमृतवेले के योग की शक्ति से इस संसार का बेड़ा पार हो जाएगा.....

तुम्हारे अशरीरी बनने की ड्रिल से आत्मायें पवित्रता की शक्ति से चार्ज होने लग जाएंगी.....

तुम्हारी शान्त चित्त अवस्था से संसार में निरन्तर शान्ति की सरिता बहती रहेगी .....

तुम्हारे नुमाशाम के योग के पवित्र वायब्रेशनों के प्रवाह से आत्मायें प्रफुल्लित हो उठेंगी.....

तुम्हारे मधुर, सुखदायी बोल से आत्मायें अपना दु:ख, दर्द भूल, सुख, शान्ति की अनुभूति करने लगेंगी.....

जागो योगी जागो ! स्वयं भगवान को तुम्हारे पर नाज़ है, विश्वास है, फख्र है,

भगवान तुम्हारे भाग्य का गुणगान कर रहे हैं.....वाह योगी बच्चे वाह !